

# BUILDING



---

---

---

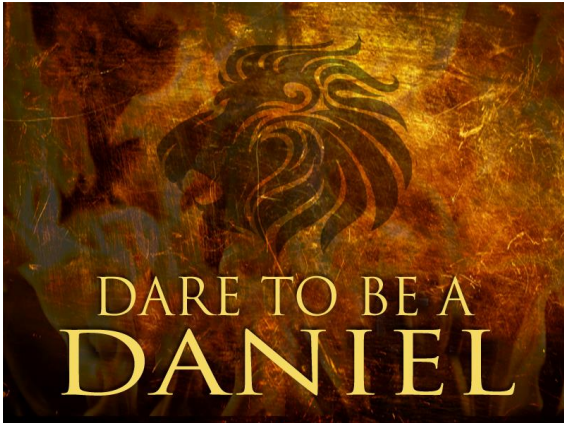
---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---

## Called to Christlike Character

"They could find no corruption in him..."

*Daniel 6:4*

---

---

---

---

---

---

---

---



## Philippians 2:15

...so that you may become blameless and pure, “children of God without fault in a warped and crooked generation.”



---

---

---

---

---

---

---

---

## DANIEL'S DEVELOPMENT

### PRAYER

“...just as he had done before.” vs 10



---

---

---

---

---

---

---

---

## Daniel's Prayer Life

1. *Habitual* – relational



---

---

---

---

---

---

---

---

### Psalm 55:17

Evening, morning and noon  
I cry out in distress,  
and he hears my voice.



---

---

---

---

---

---

---

---

### Daniel's Prayer Life

- 1. *Habitual* – relational
- 2. *Quiet* – not for show
- 3. *Consistent* – for a lifetime



---

---

---

---

---

---

---

---

### DANIEL'S DEVELOPMENT

#### POWER

"...and He shut the mouths of the lions." vs 22



---

---

---

---

---

---

---

---

# DANIEL'S DEVELOPMENT

## PERMANENCE

“...has your God, whom you serve continually, been able to rescue you from the lions?” vs 20



---

---

---

---

---

---

---

---

## John 15

“I am the true vine, and my Father is the gardener. <sup>2</sup>He cuts off every branch in me that bears no fruit, while every branch that does bear fruit he prunes so that it will be even more fruitful. <sup>3</sup>You are already clean because of the word I have spoken to you.



---

---

---

---

---

---

---

---

## John 15

<sup>4</sup>Remain in me, as I also remain in you. No branch can bear fruit by itself; it must remain in the vine. Neither can you bear fruit unless you remain in me. <sup>5</sup>“I am the vine; you are the branches. If you remain in me and I in you, you will bear much fruit; apart from me you can do nothing.



---

---

---

---

---

---

---

---

### John 15

<sup>6</sup> If you do not remain in me, you are like a branch that is thrown away and withers; such branches are picked up, thrown into the fire and burned.<sup>7</sup> If you remain in me and my words remain in you, ask whatever you wish, and it will be done for you.



---

---

---

---

---

---

---

---

### John 15

<sup>8</sup> This is to my Father’s glory, that you bear much fruit, showing yourselves to be my disciples.



---

---

---

---

---

---

---

---

**Keyword =**

**“REMAIN”**



---

---

---

---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---



**Abide in Me!**

---

---

---

---

---

---

---

---

**DANIEL'S  
DEVELOPMENT**

**PURPOSE**

"But Daniel purposed in his heart that he would not defile himself." *ch. 1:8*



---

---

---

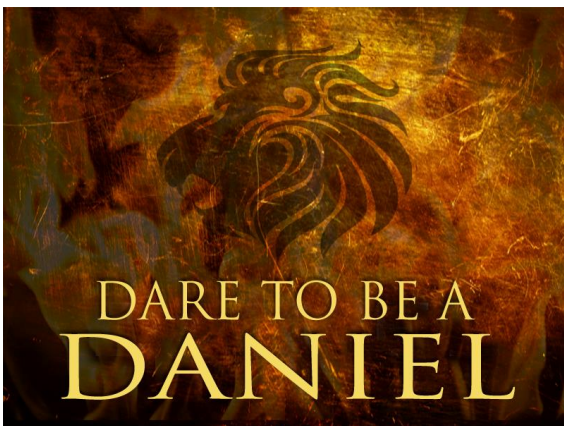
---

---

---

---

---



**DARE TO BE A  
DANIEL**

---

---

---

---

---

---

---

---